चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	3.6.21	3	2-6

बैठक कुलपति प्रोफेसर वी.आर. काम्बोज ने कृषि विज्ञान केंद्रों की मासिक समीक्षा वैठक में दिए दिशा-निर्देश

कृषि विज्ञान केंद्रों को कृषि प्रणाली मॉडल के रूप में विकसित करें

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहा कि सभी कृषि विज्ञान केंद्रों पर समन्वित कृषि प्रणाली मॉडल इकाई स्थापित कर किसानों को इसके प्रति जागरूक किया जाएगा। इससे छोटी से छोटी जोत से भी किसान अधिक आमदनी हासिल कर सकते हैं।

एचएयू में समीक्षा बैठक के दौरान संबोधित करते विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी. आर. काम्बोज व अन्य।

इसके अलावा किसान कृषि विविधिकरण की अधिक से अधिक जानकारी हासिल कर उन्हें अपने खेत पर अपना सकेंगे। वे ऑनलाइन माध्यम से विश्वविद्यालय के सभी कृषि विज्ञान केंद्रों के इंचार्जों की मासिक समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि किसानों को फसल अवशेष प्रबंधन के बारे में भी जागरूक करने और जरूरत पड़ने पर उन्हें इससे संबंधित मशीनरी भी मुहैया करवाने का आह्वान किया। विश्वविद्यालय द्वारा जारी समग्र सिफारिशों को अधिक से अधिक किसानों तक पहुंचाया जाना चाहिए ताकि किसान ज्यादा से ज्यादा लाभान्वित हो सकें।

कुलपति ने कहा कि हरियाणा सरकार द्वारा किसान हित के लिए चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं को अधिक से अधिक प्रचारित करें। उन्होंने कहा कि हरियाणा प्रदेश के अस्तित्व में आने के बाद कृषि उपज को बढ़ाने में कृषि विज्ञान केंद्रों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। यही कारण है कि वर्ष 2019-20 तक कृषि उपज में लगभग आठ गुणा की बढ़ोतरी हुई है।

विश्वविद्यालय की विस्तार कार्यप्रणाली बहुत ही मजबूत है, यही कारण है कि कोरोना महामारी के चलते भी निदेशक अटारी जोधपुर व विस्तार शिक्षा निदेशालय द्वारा दिए गए लक्ष्य को समय पर पूरा किया है। साथ ही लगातार किसानों के संपर्क में रहते हुए फसलों के संबंध में हर प्रकार की समस्याओं का समाधान किया गया है। प्रदेश के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, बागवानी विभाग, पशुपालन विभाग, मछली पालन विभाग, कृभको, इफ्को आदि के साथ आपसी तालमेल करने पर जोर दिया।

प्रत्येक केवीके पर होगा जिला स्तरीय कार्यक्रम

कुलपति ने बैठक के दौरान निर्देश दिए कि प्रत्येक कृषि विज्ञान केंद्र पर जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किए जाने चाहिए। इसमें प्रत्येक जिले के खण्ड स्तर पर प्रत्येक गांव से कम से कम दो-दो प्रगतिशील किसानों को शामिल किया जाएगा। इनको विश्वविद्यालय की विस्तार गतिविधियों व तकनीकों के बारे में जागरूक किया जाएगा ताकि उनके माध्यम से प्रदेश भर में इनका प्रचार-प्रसार किया जा सके और उन्हें देखकर अन्य किसान भी अपनी आय बढ़ा सकें। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. रामनिवास ढाण्डा ने इस समीक्षा बैठक में मुख्यातिथि व अन्य प्रतिभागियों का स्वागत किया और कुलपति द्वारा दिए गए दिशा-निर्देशों को क्रियान्वित करने का आश्वासन दिया। समीक्षा बैठक में विभिन्न कृषि विज्ञान केंद्रों के इंचार्जों ने तैयार की गई रिपोर्ट प्रस्तुत।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक सवेरा	3.6.21	3	1-2

अमरीका व हकृवि मिलकर शिक्षा के क्षेत्र में बढ़ाएंगे कदम

- **एचएयू और मिशीगन स्टेट यूनिवर्सिटी के अधिकारियों ने भविष्य की कार्ययोजना पर किया मंथन**

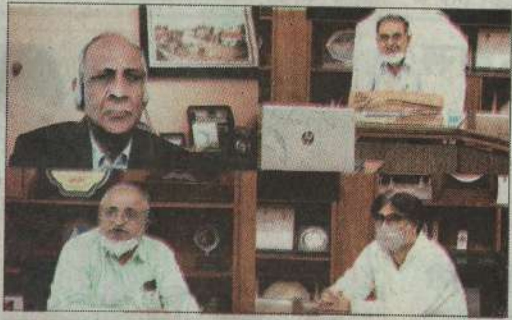

बैठक के दौरान संबोधित करते कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज व मौजूद अन्य।

हिसार, 1 जून (सुरेंद्र सोढी) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय और अमेरिका की मिशीगन स्टेट यूनिवर्सिटी अब संयुक्त रूप से शैक्षणिक व अनुसंधानात्मक गतिविधियों को संयुक्त रूप से बढ़ावा देंगे। यह फैसला एचएयू व अमेरिका की मिशीगन स्टेट यूनिवर्सिटी के अधिकारियों के बीच हुई ऑनलाइन बैठक में लिया गया। मंगलवार को आयोजित बैठक में इसके लिए विभिन्न मुद्दों पर गहनता से चर्चा की गई और भविष्य की कार्ययोजना को लेकर मंथन किया गया। ऑनलाइन बैठक की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने की। कुलपति ने कहा कि दोनों विश्वविद्यालयों के वैज्ञानिक अब संयुक्त रूप से शोध व शैक्षणिक कार्यों में एक-दूसरे का सहयोग करेंगे। साथ ही दोनों विश्वविद्यालय संयुक्त डिग्री और डिप्लोमा कोर्सों को बढ़ावा देंगे ताकि विद्यार्थियों को प्रोत्साहन मिल सके और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वे अपनी पहचान बना सकें। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय में इस समय अफगानिस्तान के 11 विद्यार्थी शिक्षा हासिल कर रहे हैं। इनमें से 7 विद्यार्थी स्नातकोत्तर और 4 विद्यार्थी पीएचडी की डिग्री कर रहे हैं। ग्रेन प्रोजैक्ट के तहत अमेरिका की मिशीगन स्टेट यूनिवर्सिटी की ओर से उन्हें छात्रवृति प्रदान की जा रही है। प्रदेश की भौगोलिक परिस्थितियों को ध्यान में रखकर शोध कार्यों को बढ़ावा दिया जाएगा।

मिशीगन स्टेट यूनिवर्सिटी की ओर से डॉ. करीब मरीडिया ने कहा कि अब दोनों विश्वविद्यालय कृषि क्षेत्र की सामूहिक समस्याओं के समाधान व विभिन्न फसलों के विकास के लिए प्रयास करेंगे।

फंडिंग के लिए प्रस्तुत करेंगे संयुक्त प्रोजैक्ट

बैठक के दौरान विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने सभी का स्वागत करते हुए इस प्रोजेक्ट के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी और इसकी रूपरेखा के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि दोनों विश्वविद्यालयों में इस बारे में पहले ही एमओयू साइन हो चुका है। स्नातकोत्तर अधिष्ठाता एवं ग्रेन प्रोजेक्ट के नियंत्रण अधिकारी डॉ. अतुल ढींगड़ा ने इस प्रोजेक्ट के तहत दोनों विश्वविद्यालयों के बीच बनी सहमति व उनके कार्यक्षेत्र की जानकारी दी। उन्होंने बैठक के समापन पर सभी का धन्यवाद किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	3.6.21	2	1-3

हरियाणा बनने के बाद 2020 तक कृषि उपज करीब आठ गुणा तक बढ़ीः वीसी

एचएयू में कृषि विज्ञान केंद्रों के इंचार्जों के वीसी ने मासिक समीक्षा बैठक की

समीक्षा बैठक को संबोधित करते एचएयू के वीसी व मौजूद अन्य लोग।

भास्कर न्यूज़ | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वीसी प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि सभी कृषि विज्ञान केंद्रों पर समन्वित कृषि प्रणाली मॉडल इकाई स्थापित कर किसानों को इसके प्रति जागरूक किया जाएगा। इससे छोटी जोत से भी किसान अधिक आमदनी हासिल कर सकते हैं। किसान कृषि विविधिकरण की अधिक से अधिक जानकारी हासिल कर उन्हें अपने खेत पर अपना सकेंगे। वे ऑनलाइन माध्यम से विश्वविद्यालय के सभी कृषि विज्ञान केंद्रों के इंचार्जों की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि किसानों को फसल अवशेष प्रबंधन के बारे में भी जागरूक करने और जरूरत पड़ने पर उन्हें इससे संबंधित मशीनरी भी मुहैया करवाने का आह्वान किया। विश्वविद्यालय द्वारा जारी समग्र सिफारिशों को अधिक से अधिक किसानों तक पहुंचाया जाना चाहिए, ताकि किसान ज्यादा से ज्यादा लाभान्वित हो सकें।

वीसी ने कहा कि हरियाणा प्रदेश के अस्तित्व में आने के बाद कृषि उपज को बढ़ाने में कृषि विज्ञान केंद्रों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। यही कारण है कि वर्ष 2019-20 तक कृषि उपज में लगभग आठ गुणा की बढ़ोतरी हुई है। विश्वविद्यालय की विस्तार कार्यप्रणाली बहुत ही मजबूत है, यही कारण है कि कोरोना महामारी के चलते भी निदेशक अटारी जोधपुर व विस्तार शिक्षा निदेशालय द्वारा दिए गए लक्ष्य को समय पर पूरा किया है। साथ ही लगातार किसानों के संपर्क में रहते हुए फसलों के संबंध में हर प्रकार की समस्याओं का समाधान किया गया है।

हर केवीके पर होगा जिला स्तरीय कार्यकमः वीसी

वीसी ने बैठक के दौरान निर्देश दिए कि हर कृषि विज्ञान केंद्र पर जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किए जाने चाहिए। इसमें हर जिले के खण्ड स्तर पर प्रत्येक गांव से कम से कम दो-दो प्रगतिशील किसानों को शामिल किया जाएगा। इनको विश्वविद्यालय की विस्तार गतिविधियों व तकनीकों के बारे में जागरूक किया जाएगा ताकि उनके माध्यम से प्रदेश भर में इनका प्रचार-प्रसार किया जा सके और उन्हें देखकर अन्य किसान भी अपनी आय बढ़ा सकें। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. रामनिवास ढाण्डा और सभी कृषि विज्ञान केंद्रों के इंचार्ज व वैज्ञानिक भी शामिल हुए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	3.6.21	4	5-6

'कृषि विज्ञान केंद्रों को समन्वित कृषि प्रणाली मॉडल के रूप में विकसित करें: प्रो. काम्बोज'

कृषि विज्ञान केंद्रों की मासिक समीक्षा बैठक में दिए निर्देश

समीक्षा बैठक के दौरान संबोधित करते विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. कांबोज व अन्य।

हिसार, 2 जून (पंकेस): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहा कि सभी कृषि विज्ञान केंद्रों पर समन्वित कृषि प्रणाली मॉडल इकाई स्थापित कर किसानों को इसके प्रति जागरूक किया जाएगा। इससे छोटी से छोटी जोत से भी किसान अधिक आमदनी हासिल कर सकते हैं। इसके अलावा किसान कृषि विविधिकरण की अधिक से अधिक जानकारी हासिल कर उन्हें अपने खेत पर अपना सकेंगे।

• वे ऑनलाइन माध्यम से विश्वविद्यालय के सभी कृषि विज्ञान केंद्रों के इंचार्जों की मासिक समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि किसानों को फसल अवशेष प्रबंधन के बारे में भी जागरूक करने और जरूरत पड़ने पर उन्हें इससे संबंधित मशीनरी भी मुहैया करवाने का आह्वान किया। विश्वविद्यालय द्वारा जारी समग्र सिफारिशों को अधिक से अधिक किसानों तक पहुंचाया जाना चाहिए ताकि किसान ज्यादा से ज्यादा लाभान्वित हो सकें। उन्होंने कहा कि हरियाणा प्रदेश के अस्तित्व में आने के बाद कृषि उपज को बढाने में कृषि विज्ञान केंद्रों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

यही कारण है कि वर्ष 2019-20 तक कृषि उपज में लगभग 8 गुणा की बढ़ौत्तरी हुई है। कुलपति ने बैठक के दौरान निर्देश दिए कि प्रत्येक कृषि विज्ञान केंद्र पर जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किए जाने चाहिए। इसमें प्रत्येक जिले के खण्ड स्तर पर प्रत्येक गांव से कम से कम दो-दो प्रगतिशील किसानों को शामिल किया जाएगा। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. रामनिवास ढाण्डा ने बताया कि समीक्षा बैठक में विभिन्न कृषि विज्ञान केंद्रों के इंचार्जों ने तैयार की गई रिपोर्ट प्रस्तुत की। इस समीक्षा बैठक में सभी कृषि विज्ञान केंद्रों के इंचार्ज व वैज्ञानिक भी शामिल हुए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	3.6.21	4	1-2

किसानों को जागरूक करें : प्रो. कांबोज

हिसार (ब्यूरो)। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने कहा कि सभी कृषि विज्ञान केंद्रों पर समन्वित कृषि प्रणाली मॉडल इकाई स्थापित कर किसानों को इसके प्रति जागरूक किया जाएगा। इससे छोटी से छोटी जोत से भी किसान अधिक आमदनी हासिल कर सकते हैं। इसके अलावा किसान कृषि विविधिकरण की अधिक से अधिक जानकारी हासिल कर उन्हें अपने खेत पर अपना सकेंगे। वे ऑनलाइन माध्यम से विश्वविद्यालय के सभी कृषि विज्ञान केंद्रों के इंचार्ज की मासिक समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने किसानों को फसल अवशेष प्रबंधन के बारे में भी जागरूक करने और जरूरत पड़ने पर उन्हें इससे संबंधित मशीनरी भी मुहैया करवाने का आह्वान किया। विश्वविद्यालय द्वारा जारी समग्र सिफारिशों को अधिक से अधिक किसानों तक पहुंचाया जाना चाहिए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	2.06.21		

कृषि विज्ञान केंद्रों को समन्वित कृषि प्रणाली मॉडल के रूप में विकसित करें : कुलपति

सिटी पल्स न्यूज़, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी. आर. कम्बोज ने कहा कि सभी कृषि विज्ञान केंद्रों पर समन्वित कृषि प्रणाली मॉडल इकाई स्थापित कर किसानों को इसके प्रति जागरूक किया जाएगा। इससे छोटी से छोटी जोत से भी किसान अधिक आमदनी हासिल कर सकते हैं। इसके अलावा किसान कृषि विविधिकरण की अधिक से अधिक जानकारी हासिल कर उन्हें अपने खेत पर अपना सकेंगे। वे ऑनलाइन माध्यम से विश्वविद्यालय के सभी कृषि विज्ञान केंद्रों के इंचार्जों की मासिक समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। कुलपति ने कहा कि हरियाणा सरकार द्वारा किसान हित के लिए चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं को अधिक से अधिक प्रचारित करें। उन्होंने कहा कि हरियाणा प्रदेश के अस्तित्व में आने के बाद कृषि उपज को बढ़ाने में कृषि विज्ञान केंद्रों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। विश्वविद्यालय के विस्तार वैज्ञानिकों की सराहना करते हुए कहा कि भविष्य में भी वे विश्वविद्यालय द्वारा विकसित तकनीकों एवं विभिन्न फसलों की उन्नत किस्मों की जानकारी किसानों तक ज्यादा से ज्यादा पहुंचाएं ताकि किसानों का भला हो सके और विश्वविद्यालय अपने किसान हितैषी लक्ष्य की ओर निरंतर बढ़ता रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हैलो हिसार न्यूज	02.06.21		

कृषि विज्ञान केंद्रों को समन्वित कृषि प्रणाली मॉडल के रूप में विकसित करें : प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज

कृषि विज्ञान केंद्रों की मासिक समीक्षा बैठक में दिए निर्देश

हैलो हिसार न्यूज

हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहा कि सभी कृषि विज्ञान केंद्रों पर समन्वित कृषि प्रणाली मॉडल इकाई स्थापित कर किसानों को इसके प्रति जागरूक किया जाएगा। इससे छोटी से छोटी जोत से भी किसान अधिक आमदनी हासिल कर सकते हैं। इसके अलावा किसान कृषि विविधिकरण की अधिक से अधिक जानकारी हासिल कर उन्हें अपने खेत पर अपना सकेंगे। वे ऑनलाइन माध्यम से विश्वविद्यालय के सभी कृषि विज्ञान केंद्रों के इंचार्जों की मासिक समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि किसानों को फसल अवशेष प्रबंधन के बारे में भी जागरूक करने और जरूरत पड़ने पर उन्हें इससे संबंधित मशीनरी भी मुहैया करवाने का आह्वान किया। विश्वविद्यालय द्वारा जारी समग्र सिफारिशों को अधिक से अधिक किसानों तक पहुंचाया जाना चाहिए ताकि किसान ज्यादा से ज्यादा लाभान्वित हो सकें। कुलपति ने कहा कि हरियाणा सरकार द्वारा किसान हित के लिए चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं को अधिक से अधिक प्रचारित करें। उन्होंने कहा कि हरियाणा प्रदेश के अस्तित्व में आने के बाद कृषि उपज को बढ़ाने में कृषि विज्ञान केंद्रों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। यही कारण है कि वर्ष 2019-20 तक कृषि उपज में लगभग आठ गुणा की बढ़ोतरी हुई है। विश्वविद्यालय की विस्तार कार्यप्रणाली बहुत ही मजबूत है, यही कारण है कि कोरोना महामारी के चलते भी निदेशक अटारी जोधपुर व विस्तार शिक्षा निदेशालय द्वारा दिए गए लक्ष्य को समय पर पूरा किया है। साथ ही लगातार किसानों के संपर्क में रहते हुए फसलों के संबंध में हर प्रकार की समस्याओं का समाधान किया गया है। विश्वविद्यालय के विस्तार वैज्ञानिकों की सराहना करते हुए कहा कि भविष्य में भी वे विश्वविद्यालय द्वारा विकसित तकनीकों एवं विभिन्न फसलों की उन्नत किस्मों की जानकारी किसानों तक ज्यादा से ज्यादा पहुंचाएं ।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	3.6.21	1	8

मैं अपनी व विश्वविद्यालय परिवार की तरफ से वैश्विक महामारी कोरोना से असमय अपनी जान खोने वालों को भावभीनी श्रद्धांजलि प्रकट करता हूं। अभी भी बहुत सारे लोग कोरोना से ग्रस्त हैं मैं भगवान से उनके जल्दी स्वस्थ्य होने की प्रार्थना करता हूं। कोरोना योद्धाओं का तहदिल से आभार प्रकट करता हूं। मृतकों को श्रद्धांजलि के लिए आयोजित सर्वधर्म प्रार्थना में विश्वविद्यालय के शिक्षकों, कर्मचारियों व विद्यार्थियों को भी 2 मिनट का मौन धारण करके दैनिक जागरण की मुहिम से जुड़ने का आह्वान करता हूं।

प्रो. बीआर कांबोज, कुलपति, हकृवि, हिसार।